सूरजकुण्ड, फरीदाबाद, ४ फरवरी-

सूरजकुंड मेला शनिवार को दर्शकों की भीड़ से गुलजार हुआ। चौथे दिन मेले में वीकेंड का असर साफ देखने को मिला। एक तरफ जहां खचाखच भरी चौपाल में दर्शकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। वहीं दूसरी ओर देश के विभिन्न राज्यों और विदेशी स्टालों पर खरीदारों की खासी संख्या देखने को मिली। मेले में अन्य दिनों के मुकाबले दोगुना लोग पहुंचे। सुबह से ही दर्शकों का मेले में पहुंचना शुरू हो गया था।

चौपाल के मंच पर शनिवार को कलाकारों की परफॉर्मेंस से कई कलाओं के रंग झलके किसी ने संगीत से समां बांध, किसी ने परंपरागत नृत्य पेश कर दिल जीता, तो किसी ने परंपरागत वाद्ययंत्रों के साथ कमाल दिखाया। किग्रिस्तान से आए युवा कलाकारों ने धुनों का जादू दिखाया। कमोज ग्रुप ने वायलॉन की धुन पर माश्तबतोई परफॉर्मेंस पर खूब तालियां बटोरी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कंजानिया से आए कलाकारों ने परंपरागत वाद्ययंत्रों संग एरोबिक्स डांस का जलवा दिखाया। एक के बाद एक शानदान स्टंट देखकर दर्शक खूब हैरान हुए। ड्रम्स एंड म्यूजिक नामक इस ग्रुप में दस साल से लेकर 40 साल तक के कलाकारों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद मिस्र के कलाकारों ने शमिदान सिरपर रखकर शानदार नृत्य पेश किया। मनमोहक प्रस्तुति देख दर्शक खूब गदगद हुए।

जुल्फों से बांध लिया दिल सीने पे से उड़ने लगा आंचल, नाचूं मैं आज छम छम छम...बॉलीवुड के इस गीत पर किग्रिस्तान की कलाकारों ने

खूबसूरत परफॉर्मेंस दी। गाने के बोल पर लटके-झटके दिखाकर ना सिर्फ विदेशी कलाकारों ने सभी का दिल जीत लिया, बल्कि सभी को झूमने पर मजबूर किया। कलाकारों ने बताया कि किग्रीस्तान के रिपब्लिक डे पर हुए कार्यक्रम में भी उन्होंने ये भारतीय प्रस्तुति देकर विदेशी मेहमानों की वाहवाही पाई थी। उन्होंने बताया कि किग्रिस्तान में होने वाले बॉलीवुड कंसर्ट के चलते कलाकार कई भारतीय गीतों को जानते हैं।

शाम को चौपाल पर शास्त्रीय संगीत के सुरों का जादू चला। अमान और अयान अमजद अली खान ने भारतीय शास्त्रीय सरोद प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। गौरतलब है कि दोनों भाई प्रसिद्ध सरोदवादक अमजद अली खान के बेटे हैं। वर्ष 1999 से 2001 तक रियलिटी शो सारेगामापा को होस्ट करके संगीत के क्षएत्र में युवा कलाकारों को मांझ चुके हैं। चौपाल पर उनकी प्रस्तुति देखने के लिए श्रोताओं की भीड़ जुटी रही।

बोन ज्वेलरी पर गजब की अद्भुत कला जीतेगी दिल

अगर जानवरों की हड्डियों से श्रंगार की बात आए तो ये बात आपको बेमानी ही लगेगी। लेकिन सूरजकुंड मेले में आपको ये कमाल भी दिखेगा हड्डियों में महीन कारीगरी संग खूबसूरत ज्वेलरी चाहिए हो या फिर मोतियों और मेटल संग हड्डियों की मिलावट से एंटीक आइटम खरीदने का मन हो लखनऊ के सिराजुद्दीन आपको खास कला से हैरान करेंगे।

हड्डियों पर महीन कला है जादू

हड्डी के टुकड़ों पर महीन कलाकारी परिवार की खासियत है। सिराजुद्दीन बताते हैं कि तीसरी पीढ़ी इस कारीगरी को कर रही है। बोन आर्ट के साथ ये कला अब बोन को मोतिय , मेटल, लोहे, प्लास्टिक के साथ मिलाकर भी तैयार की जाती है। पूरी तरह हाथों से उकेरी गई इस कला की खूबसूरती देखते ही बनती है।

कजाकिस्तान की परंपरागत ज्वेलरी और कला है खास

परंपरागत ज्वेलरी हो या फिर लकड़ी के खूबसूरत डेकोरेटिव आइटम अगर कलात्मक चीजें आपको भाती हैं तो कजाकिस्तान के स्टाल पर आपके लिए काफी वैरायटी मौजूद है। महिलाओं की फंकी ज्वेलरी हो या पुरुषों की एसेसरीज यहां खूबसूरत चीजें आपका दिल जीत लेंगी। कजाकिस्तान से आए शिल्पकार स्टाल पर अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर हैरान कर देंगे।

स्टाल पर मिल रही ज्वेलरी की बात करें तो यहां महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए खूबसूरत ज्वेलरी मौजूद हैं। विभिन्न धातुओं के बने कड़े, कुंडल, अंगुठियां महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे। वहीं प्राकृतिक रंगों में बनी पेंटिंग आपके घर की शोभा बढ़ा देगी। इसके अलावा लड़कों के लिए कैप, हैंडबैंड, बैंडायना खास है। लकड़ी के टुकड़ों से बनाए हुए डेकोरेटिव आइटम घर की सजावट को अलग ही रूप देने के लिए काफी है।

कजाकिस्तान से आए शिल्पकार मनंथ बताते हैं कि ज्वेलरी आर्टिस्ट के तौर पर विख्यात जरगर बेरिक से उन्होंने ये कला सीखी है। रिपब्लिक

ऑफ कजाकिस्तान के म्यूजियम में भी उनकी ज्वेलरी शामिल है। कला के तहत सोने, चांदी सहित महंगे मेटल से ज्वेलरी डिजाइन की जाती है।